"यनु हो मेरु उत्तराँचल"

चला अपणा उत्तराँचल तैं हम प्यारु बणौला
दुनिया मा हम भी अपणी इक पहचाण बणौला
लोगू मा प्यार-मोहब्बत हो जख
दुःख-विपदा मा इक दूसरा कू सारु हो जख
चला अपणा उत्तराँचल तैं हम प्यारु बणौला
दुनिया मा हम भी अपणी इक पहचाण बणौला
फूलू मा कान्डा न होन जख
भूखों, गरीबों तैं क्वी न सतौं जख
चला अपणा उत्तराँचल तैं हम प्यारु बणौला
दुनिया मा हम भी अपणी इक पहचाण बणौला
इक-दूसरा तै पुछण वाला हो जख
गाली-गलौच, लड़ै-झगड़ा कू नौवूं न हो जख
बेटी-ब्वारी तैं पूरु सम्मान मिलु जख
चला अपणा उत्तराँचल तैं हम प्यारु बणौला
दुनिया मा हम भी अपणी इक पहचाण बणौला
पढ़ियां -लिख्यां लोग, अनपढ़ौं तैं शिक्षा बांटू जख
रोजगार की कमी न हो जख
बेरोजगार दग्गड़या न भटकू जख
चला अपणा उत्तराँचल तैं हम प्यारु बणौला
दुनिया मा हम भी अपणी इक पहचाण बणौला
गौवूं -खोला मा दीदी-भूलि मिलिजुलि काम करु जख
सुख-सर्मिधि कू उजालू हो जख
चला अपणा उत्तराँचल तैं हम प्यारु बणौला
दुनिया मा हम भी अपणी इक पहचाण बणौला

विपिन पवांर *"निशान"*